पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

नैक टीम के सदस्यों ने राज्यपाल से भेंट की
राज्यपाल ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार हेतु चर्चा की तथा सुझाव मांगे

लखनऊः 18 मार्च, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक से आज राजभवन में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की टीम ने शिष्टाचारिक भेंट की। इस अवसर पर टीम के अध्यक्ष, प्रो0 ए0एम0 पठान, कर्नाटक, डा॔0 के0 रमा, उप-सलाहकार, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक), बंगलुरू, प्रो0 ए0वी0 प्रसाद राव, आंध्र प्रदेश, डा॔0 अशोक आर0 पाटील, कर्नाटक, प्रो0 सुनील बहेरा, उड़ीसा, प्रो0 वाई0 वैकुन्ठम, तेलंगाना, डा॔0 दिलीप एस0 पाटील, महाराष्ट्र, डा॔0 स्वर्णलता सर्राफ, छत्तीसगढ़, प्रो0 कनिका शर्मा, राजस्थान, प्रो0 सी0एस0 शास्त्री, कर्नाटक, प्रो0 एन0सी0 गौतम, मध्य प्रदेश, प्रो0 आर0सी0 सोबती, कुलपति, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि नैक टीम गत दिनों बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) के नैक मूल्यांकन हेतु लखनऊ आयी थी।

राज्यपाल ने भेंट वार्ता के दौरान नैक टीम के सदस्यों से बताया कि उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा को व्यवस्थित करने की दृष्टि से उन्होंने सभी राज्य विश्वविद्यालयों को समय से दीक्षान्त समारोह आयोजित करने का निर्देश दिया था। जिसके फलस्वरूप सारे दीक्षान्त समारोह समय से सम्पन्न हो गये हैं। सभी कुलपतियों को पत्र लिखकर यह निर्देशित किया गया है कि नकल रोकने के लिये कडे कदम उठाये जाये। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालयों को समय से परीक्षा कराने और परीक्षा परिणाम घोषित करने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

श्री नाईक ने नैक टीम से शिक्षा के उन्नयन एवं गुणवत्ता में सुधार के लिये चर्चा करते हुए कहा कि यदि नैक टीम से शिक्षा को गुणवत्तायुक्त बनाने का कोई सुझाव प्राप्त होगा तो उस पर विचार करेंगे। वित्तीय संसाधनों की कमी पर बात करते हुए उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिये जा रहे अनुदानों के बारे में भी बात की। उन्होंने नैक टीम से कुलपतियों के कार्यकाल के बारे में बात करते हुए बताया कि राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतियों का कार्यकाल तीन वर्ष का है जबकि ज्यादातर केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों का कार्यकाल पाँच वर्ष का होता है। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ माह पूर्व उनके द्वारा बुलाये गये कुलपति-कुलसचिव सम्मेलन में कुलपतियों का कार्यकाल पाँच वर्ष करने का सुझाव आया था।

नैक टीम के सदस्यों ने भेंट वार्ता में बताया कि विश्वविद्यालयों को उच्च शिक्षा में सुधार के लिये युवा शिक्षकों को प्रोत्साहित किये जाने की जरूरत है तथा अपने अनुसंधानों को प्रयोगशाला से निकालकर आम जनता के हित के लिये प्रयोग में लायें। सदस्यों ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय अपने-अपने क्षेत्र की जरूरतों के हिसाब से प्राथमिकता निर्धारित कर उस पर कार्य करें।

टीम के अध्यक्ष, प्रो0 ए0एम0 पठान ने उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के राज्यपाल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह एक अच्छी पहल है और निश्चित रूप से आगे चलकर इसके अच्छे परिणाम आयेंगे।